भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 945

बुधवार, 08 फरवरी, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

महाराष्ट्र में ओडीओपी

945. श्रीमती भावना गवली (पाटिल) :
श्री कृपाल बालाजी तुमाने:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो देश भर में उक्त योजना के तहत शामिल किए गए जिलों की कुल संख्या राज्य-वार कितनी है;

(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के सभी जिले शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो महाराष्ट्र में ओडीओपी के अंतर्गत अभी तक शामिल नहीं किए गए जिलों की संख्या कितनी है और उसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या उक्त पहल ने देश में निर्यात को बढ़ावा देने का उद्देश्य प्राप्त कर लिया है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या सरकार उक्त योजना के अंतर्गत आने वाले जिलों को कोई वित्तीय सहायता प्रदान करती है; और

(ज) यदि हां, तो उक्त योजना के शुरू होने के बाद से देश भर में विशेषकर महाराष्ट्र राज्य में प्रदान की गई वित्तीय सहायता का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सोम प्रकाश)

(क) : एक जिला एक उत्पाद – निर्यात केंद्र के रूप में जिला पहल (ओडीओपी-डीईएच) कोई स्कीम नहीं है बल्कि एक पहल है जिसका उद्देश्य देश के सभी जिलों में संतुलित क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करना है। इसके पीछे यह आइडिया है कि देश के प्रत्येक जिले से एक उत्पाद को चुना जाए, ब्रांड बनाया जाए और बढ़ावा दिया जाए (एक जिला – एक उत्पाद) ताकि सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक आर्थिक वृद्धि को सक्षम बनाया जा सके। ओडीपीओपी का वाणिज्य विभाग द्वारा चलाई जा रही 'निर्यात केंद्र के रूप में जिला पहल' (डीईएच) के साथ विलय कर दिया गया है जिसमें उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) प्रमुख हितधारक है।

(ख) : ओडीओपी – निर्यात केंद्र के रूप में जिला पहल के तहत, देश के सभी 765 जिलों से उत्पादों को चिह्नित किया गया है।

(ग) और (घ) : ओडीओपी – निर्यात केंद्र के रूप में जिला पहल के तहत, महाराष्ट्र राज्य के सभी 36 जिलों से उत्पादों को चिह्नित किया गया है।

(ङ) और (च) : ओडीओपी – निर्यात केंद्र के रूप में जिला पहल घरेलू बाजार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार, दोनों में बिक्री को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन, उत्पादन, विनिर्माण, पैकेजिंग और बाजार निर्माण जैसे विषयों के साथ ही जिलों के विनिर्माताओं/उत्पादकों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। संलग्नता कार्यक्रमों का विवरण **अनुबंध-I** पर सूचीबद्ध है।

ओडीपीओपी का वाणिज्य विभाग (डीओसी) द्वारा चलाई जा रही 'निर्यात केंद्र के रूप में जिला पहल' (डीईएच) के साथ विलय कर दिया गया है जिसमें उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार चिभाग (डीपीआईआईटी) प्रमुख हितधारक है। डीईएच पहल देश के प्रत्येक जिले की क्षमता और अलग पहचान को दिशा देने की आवश्यकता को दर्शाती है ताकि उन्हें निर्यात केंद्र बनाया जा सके। वाणिज्य विभाग, जिलों के चिह्नित उत्पादों/सेवाओं के निर्यात में सहायता करने के लिए संस्थागत तंत्र तैयार करने हेतु विदेश व्यापार निदेशालय (डीजीएफटी) के जरिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर कार्य करता है। इस पहल के तहत, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों सहित सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करके देश 734 जिलों में निर्यात की संभावना वाले उत्पादों/सेवाओं की पहचान की गई है।

विदेशी बाजारों के लिए चिह्नित उत्पादों और सेवाओं के लिए जिला निर्यात कार्य योजना तैयार की गई है जिसमें भारत के बाहर संभावित खरीदारों तक पहुंचने के लिए पर्याप्त मात्रा तथा अपेक्षित गुणवत्ता वाले चिह्नित उत्पाद उत्पादित/विनिर्मित करने में स्थानीय निर्यातकों/विनिर्माताओं को सहायता देने हेतु अपेक्षित विशिष्ट कार्य शामिल हैं। इसका उद्देश्य ऐसे चिह्नित उत्पादों/सेवाओं के निर्यात में आने वाले चुनौतियों को दूर करके, अवसंरचनागत अवरोधों की पहचान करके, आपूर्ति श्रृंखला की कमियों का पता लगाकर, बाजार पहुंच में सुधार करके तथा अधिक निर्यात के लिए सहायता प्रदान करके उत्पादकों और विनिर्माताओं, दोनों को लाभ प्रदान करना है।

डीईएच पहल के जरिए, भारत सरकार शहरी क्षेत्रों से विनिर्माण और निर्यात में काफी बढ़ोतरी कर रही है जबकि आंतरिक ग्रामीण इलाकों में रुचि उत्पन्न कर रही है तथा आर्थिक क्रियाकलाप पर फोकस कर रही है ताकि निर्यात के लिए नए व्यवसायों को बढ़ावा दिया जा सके।

(छ) और (ज) : चूंकि ओडीओपी - निर्यात केंद्र के रूप में जिला स्कीम नहीं है, इसलिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाती है।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 08.02.2023 को उत्तर दिए जाने के नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 945 के भाग (ङ) और (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

- **भारतीय दूतावासों के साथ संपर्क:** क्रोएशिया, नाइजीरिया, अर्जेंटीना आदि में स्थित भारतीय दूतावासों सहित अनेक भारतीय दूतावासों को उपहार तथा सजावट के लिए ओडीओपी उत्पादों की खरीद में सहायता करना।
- **निर्यात प्रशिक्षण कार्यशाला:** ओडीओपी-डीईएच पहल ने डाक विभाग के साथ मिलकर 11 जनवरी, 2023 को पहली निर्यात प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। पांच राज्यों (केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर तथा मेघालय) की 160 से अधिक निर्यात योग्य वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया। डाक घर निर्यात केंद्र पोर्टल के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला को आयो जन किया गया था। प्रशिक्षण में प्रमुख बाजार अवसरों सहित निर्यात की मूल आवश्यकताएं शामिल थी।
- **लाकाडोंग हल्दी, पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय:** फरवरी, 2022 में शिलांग, मेघालय से 30 टन लाकाडोंग हल्दी के प्रेषण में सहायता।
- भारत-जापान आम महोत्सव, टोक्यो, जापान - **भारतीय दूतावास, टोक्यो, जापान तथा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए)** के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप- 'टोक्यो, जापान में भारत के आम महोत्सव' के दो संस्करणों तहत जापान में भारतीय आमों के व्यापार को बढ़ावा दिया गया। इसकी प्रमुख उपलब्धि भारत के खुशबूदार, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक आम की लॉसन (29 मार्च 2022) के 127 कन्वीन्यंस स्टोर्स तथा निशिकासाई और अकीता प्रीफेक्चर (28 मार्च 2022) के थोक व्यापार में शुरुआत है।
- **अखरोट, बडगाम, जम्मू और कश्मीर (26 सितंबर 2021):** जेकेटीपीओ के साथ भागीदारी करके की गई इस पहल से 26 सितंबर 2021 को 2000 किग्रा. अखरोट के बडगाम, कश्मीर से बैंगलोर, कर्नाटक को निर्यात प्रतिस्थापन में सहायता की गई।
- **सुई धागा: वस्त्र उत्पादों के लिए भारत-रूस क्रेता विक्रेता सम्मेलन (22 सितंबर, 2021) -** भारतीय दूतावास, मॉस्को के साथ भागीदार करके वस्त्र उत्पादों से संबंधित क्रेता विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें रेयॉन और पॉलिस्टर पर फोकस किया गया। जनवरी, 2023 में दावोस, स्विट्जरलैंड में आयोजित **विश्व आर्थिक फोरम** में अनेक ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।
- ओडीओपी ने भारतीय वाणिज्य दूतावास, न्यूयॉर्क के सहयोग से **21 जून, 2022 को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वैयर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई)** के समारोह को प्रदर्शित किया तथा इसमें सहायता की।

******